3DOSHA®

Ayush Universal Private Limited

WELCOME
TO THE WORLD OF
HEALTH
WEALTH & HAPPINESS.

"Learn Ayurveda, Earn Money"

प्रबंध निदेशक के शब्द

देवकी फार्मेसी को 1999 में अंतरराष्ट्रीय मानकों के नए आयुर्वेदिक उत्पाद बनाने की और उनके वितरण की दृष्टि के साथ स्थापित किया गया है । पिछले कुछ वर्षों से आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर मुख्य रूप से मान्यता मिल रही है। आयुर्वेद द्वारा शरीर और और मन को संतुलन में रख कर उत्तम और आंतरिक स्वास्थ्य व सौंदर्य को बनाये रखने के दर्शन ने विश्व के सभी क्षेत्रों से लोगों को आकर्षित किया है।

आयुर्वेद भारत की प्राचीन वैदिक विरासत का अमूल्य हिस्सा है। सदियों पहले, यह अपने उच्चतम गौरव के शिखर पर रहा और हजारों साल तक आयुर्वेद भारतीय जीवन शैली का अभिन्न अंग बना रहा। उस के बाद आयुर्वेद का ज्ञान व्यावहारिक रूप से खो गया था लेकिन कुछ लोगों ने गुरु शिष्य परम्परा द्वारा आयुर्वेद के शुद्ध रूप को मूल रूप में बनाए रखा।

आधुनिक चिकित्सा पद्धति के महंगे और हानिकारक साइड इफेक्ट होने के कारण आयुर्वेद ने दुनिया भर में स्वास्थ्य की देखभाल के लिए विकल्प की तलाश में गतिविधियों को प्रेरित किया है। यह परिस्थितियां भारत की अपनी खोई हुई आयुर्वेद की क्षमता को याद करने का कारण बनी है।

वेलनेस इंडस्ट्री में आयुर्वेद की उत्तम स्थिति और इसमें मौजूद व्यापार के अवसर सबकी जरुरत बन चुकें हैं। **आयुष यूनिवर्सल प्राइवेट लिमिटेड** को देवकी फार्मेसी का साथ मिलने पर आयुर्वेद और मीडिया जगत ने हमें मान्यता दे दी है जो की हमारे "Balance Tridosha" आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता ने सिद्ध कर दिया है।

लेकिन लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आगे और भी सफ़र बाकी है। **आयुष यूनिवर्सल प्राइवेट लिमिटेड** को बढ़ावा देने के लिए और शेष लक्ष्यों को हासिल करने के लिए हमने डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुना है।

हम ने काफी सारी बाधाओं और कठिन परिस्थितियों का सामना किया है, परन्तु हमारे उपर अदृश्य और कृपालु हाथों का आशीर्वाद हमेशा बना रहा है। हमने संघर्ष के दौरान जो सीख हसिल की हैं वही हमारी असली ताकत है। हमारा मानना है कि संघर्ष करने से डरना ही सबसे बड़ी भूल है। यही वो सबसे बड़ा सबक है जो हमने जीवन में सीखा है। हम उन सब हाथों के सदा आभारी रहेंगे जो मुश्किलों के दौर से लेकर अब तक हमारे साथ बने हुए है।

सप्रेम
शमशेर सिंह

मिशन - विजन

- आयुष यूनिवर्सल के व्यापारिक ब्रांड **त्रिदोषा** और आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम **Balance Tridosha** का भारत और विदेशों में वैश्विक मानकों के अनुरूप विकास करना।
- **देवकी फार्मेसी** का वैश्विक मानकों के अनुरूप विकास करना।
- आयुर्वेद की अवधारणाओं को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक और प्रेरक सेमिनारों का संचालन करना।
- देवकी फार्मेसी में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर नए उत्पादों को विकसित करना।
- सम्पूर्ण मानव जाति तक आयुर्वेद की फायदेमंद शिक्षा देकर स्वास्थ्य और धन पहुँचाना।
- दुनिया भर में आयुर्वेदिक उत्पाद और उनकी पैकेजिंग वितरण के लिए प्रभावी ढंग से आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना।
- आयुर्वेदिक और सस्ती जीवन शैली को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य सेवा लागत को कम करना।
- पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिक सिद्धांतों को अपनाना और बढ़ावा देना।
- स्वास्थ्य सेवा और शैक्षणिक संस्थानों से आवश्यक मान्यता प्राप्त करना।
- परिश्रम को गरिमा प्रदान करने के लिए व्यावहारिक कौशल में प्रशिक्षण के द्वारा दुनिया के युवाओं को जागरूक करना।
- उभरती हुई वेलनेस इंडस्ट्री के लिए मानव संसाधन विकास के मानकों और प्रक्रियाओं को विकसित करना।
- वेलनेस इंडस्ट्री के लिए जमीनी स्तर के प्रशिक्षण संस्थान चलाकर उनके द्वारा आयुर्वेद के चिकित्सक और अन्य कुशल व्यक्ति प्रशिक्षित करना।

Business Promoter
Amandeep Singh

Business Promoter
Pardeep Kumar

LEGAL DOCUMENTS

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
Central Registration Centre

Certificate of Incorporation

[Pursuant to sub-section (2) of section 7 of the Companies Act, 2013 and rule 8 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]

I hereby certify that AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED is incorporated on this Eighth day of June Two thousand sixteen under the Companies Act, 2013 and that the company is limited by shares.

The CIN of the company is U51100HR2016PTC064474.

Given under my hand at Manesar this Eighth day of June Two thousand sixteen .

ALOK TANDON

Central Registration Centre
For and on behalf of the Jurisdictional Registrar of Companies

Mailing Address as per record available in Registrar of Companies office:
AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED
HOUSE NO. 673, VILLAGE KAKHERI PLOT, KANGTHALI, TEHSIL GUHLA, GUHLA, Kaithal, Haryana, India, 136033

Government of India
Form GST REG-06
[See Rule 10(1)]

Registration Certificate

Registration Number : 06AAOCA4912A1Z3

1.	**Legal Name**	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED			
2.	**Trade Name, if any**	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED			
3.	**Constitution of Business**	Private Limited Company			
4.	**Address of Principal Place of Business**	AYAYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED, VILLAGE KAKHERI, GUHLA, Kaithal, Haryana, 136034			
5.	**Date of Liability**				
6.	**Period of Validity**	From	30/09/2017	To	NA

Ayush Universal Trade Mark Registered in Italy (Europe)

MARCHIO	CLASSI	STATO	NUMERI	RICHIEDENTE
BALANCE TRIDOSHA AROGYA EQUILIBRIO TRIDOSHA AROGYA	30	Registrato	Deposito: **2017000048334** Ottenuto il: 05-05-2017 Registrazione: 2017000048334 Ottenuto il: 16-03-2018	AYUSH UNIVERSALE PRIVATO LIMITATO

TRADEMARK	CLASSES	STATUS	NUMBERS	APPLICANT
BALANCE TRIDOSHA AROGYA BALANCE TRIDOSHA AROGYA	30	Registered	Filing: **2017000048334** Obtained on: 2017-05-05 Registration: 2017000048334 Obtained on: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED

Ayush Universal Trade Mark Registered in Italy (Europe)

MARCHIO	CLASSI	STATO	NUMERI	RICHIEDENTE
BALANCE TRIDOSHA AROGYA EQUILIBRIO TRIDOSHA AROGYA	30	Registrato	Deposito: **2017000048334** Ottenuto il: 05-05-2017 Registrazione: 2017000048334 Ottenuto il: 16-03-2018	AYUSH UNIVERSALE PRIVATO LIMITATO

TRADEMARK	CLASSES	STATUS	NUMBERS	APPLICANT
BALANCE TRIDOSHA AROGYA BALANCE TRIDOSHA AROGYA	30	Registered	Filing: **2017000048334** Obtained on: 2017-05-05 Registration: 2017000048334 Obtained on: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED

Ayush Universal Trade Mark Registered in Italy (Europe)

MARCHIO	CLASSI	STATO	NUMERI	RICHIEDENTE
VATA CURE vata cura	30	Registrato	Deposito: **2017000048279** Ottenuto il: 04-05-2017 Registrazione: 2017000048279 Ottenuto il: 16-03-2018	AYUSH UNIVERSALE PRIVATO LIMITATO

TRADEMARK	CLASSES	STATUS	NUMBERS	APPLICANT
VATA CURE	30	Registered	Filing: **2017000048279** Obtained on: 2017-05-04 Registration: 2017000048279 Obtained on: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED

Ayush Universal Trade Mark Registered in Italy (Europe)

MARCHIO	CLASSI	STATO	NUMERI	RICHIEDENTE
PITTA CURE pitta cura	30	Registrato	Deposito: **2017000048303** Ottenuto il: 2017-05-05 Registrazione: 2017000048303 Ottenuto il: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSALE PRIVATO LIMITATO

TRADEMARK	CLASSES	STATUS	NUMBERS	APPLICANT
PITTA CURE pitta cure	30	Registered	Filing: **2017000048303** Obtained on: 2017-05-05 Registration: 2017000048303 Obtained on: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED

Ayush Universal Trade Mark Registered in Italy (Europe)

MARCHIO	CLASSI	STATO	NUMERI	RICHIEDENTE
KAPHA CURE KAPHA CURE	30	Registrato	Deposito: **2017000048321** Ottenuto il: 2017-05-05 Registrazione: 2017000048321 Ottenuto il: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSALE PRIVATO LIMITATO

TRADEMARK	CLASSES	STATUS	NUMBERS	APPLICANT
KAPHA CURE KAPHA CURE	30	Registered	Filing: **2017000048321** Obtained on: 2017-05-05 Registration: 2017000048321 Obtained on: 2018-03-16	AYUSH UNIVERSAL PRIVATE LIMITED

स्वास्थय उद्योग

स्वास्थय उद्योग में आपको मरीज ढूंढने की जरूरत नहीं है वे हर जगह मौजूद हैं।

☛ हमारे परिवार में ......

☛ हमारे पड़ोस में ......

☛ हमारे स्कूल और कॉलेज में ......

☛ हमारे समाज में ......

☛ हमारे देश में ......

☛ सारे संसार में ......

मरीज के पास विकल्प या चुनाव ?

एलोपैथी   होमियोपैथी   आयुर्वेद

एलोपैथी और होमियोपैथी इत्यादी में क्या किया जा रहा है ?........ **बिमारी का ईलाज!**

लेकिन हम अपने देश की अमूल्य धरोहर

आयुर्वेद

को भुलते जा रहे हैं।

.........जबकि आयुर्वेद बिमारी का नहीं, **बल्कि बिमार का ही इलाज कर देता है।**

.........तो क्या आप जानना चाहते हैं कि आयुर्वेद क्या है ?

आयु (जीवन) + वेद (ज्ञान व विज्ञान)

आयुर्वेद का अर्थ है - जीवन का विज्ञान

आयुर्वेद का जन्म 5000 से अधिक साल पहले
भारत मे हुआ था तथा इसे आधुनिक चिकित्सा का जनक माना जाता है।

आयुर्वेद का मूलभूत सिद्धांत।

ब्रह्माण्ड की तरह मानव का शरीर पांच तत्वों आकाश, वायु, आग, पानी और मिट्टी से मिलकर बना है।

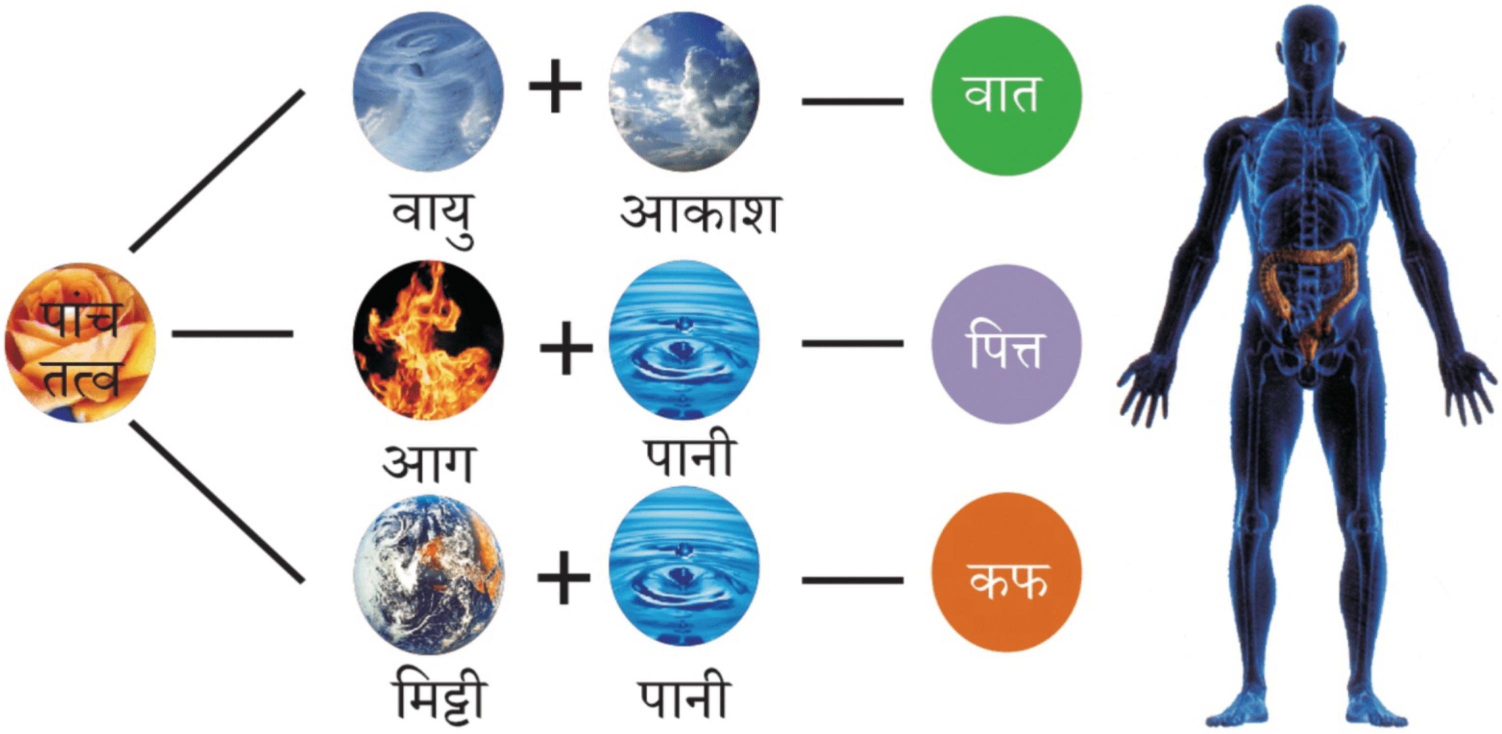

मानव शरीर

यह पांच तत्व अपनी जैविक अवस्था में
दोष यानी **जैव ऊर्जा** के रूप में जाने जाते हैं।

यहां ध्यान देने की बात यह है कि दोष शब्द का अर्थ
किसी विकार से नही बल्कि शारीरिक तत्वों से है।

हमारे शरीर में दोषों (पांच तत्वों) की भूमिका

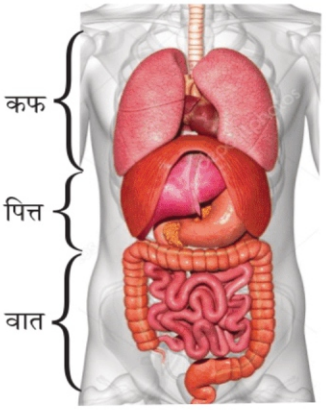

वात (वायु + आकाश)

यह दोष शरीर में वायु और तरल पदार्थों तथा खाद्य का परिवहन और संचलन करता है। शारीरिक व मानसिक गति के नियन्त्रण का कार्य करता है।

पित्त (आग + पानी)

यह दोष शरीर में रूपान्तरण की प्रक्रिया जैसे पाचन, चयापचय व एंजाइम पर नियन्त्रण रखता है।

कफ (मिट्टी + पानी)

यह दोष शरीर को नमी तथा सम्पर्क और मजबूती प्रदान करता है।

आयुर्वेदिक व्यक्तित्व

प्रत्येक इन्सान की अपनी एक आयुर्वेदिक प्रकृति होती है, जिसे आयुर्वेदिक व्यक्तित्व भी कहा जाता है।

आयुर्वेदिक व्यक्तित्व सात प्रकार के होते हैंः-

एकलदोषी व्यक्तित्व:- इनके शरीर में जन्म से किसी एक दोष की प्रमुखता होती है।

1. वात् प्रकृति, 2. पित्त प्रकृति, 3. कफ प्रकृति

द्विदोषी व्यक्तित्वः- इनके शरीर में जन्म से किन्ही दो दोषों की प्रमुखता होती है।

4. वात् - पित्त प्रकृति, 5. वात्-कफ प्रकृति, 6. पित्त-कफ प्रकृति

त्रिदोषी व्यक्तित्व:- इनके शरीर में जन्म से तीनों दोषों की प्रमुखता होती हैं।

7. वात्-पित्त-कफ प्रकृति।

स्वस्थ रहने के लिए अपनी प्रकृति / मुख्य दोष को जानिये !

अपनी सामान्य दिनचर्या में आपको बहुत सारे ऐसे उदाहरण मिलेंगें, जहां लोग एक ही परिस्थिति में विभिन्न तरह से व्यवहार करते हैं। उदाहरण के लिए कई बार एक साथ एक ही तरह का खाना खाने पर किसी का पाचन तुंत्र सही काम करता रहता है तो किसी को पेट की गडबडी का अहसास होता है। इसी तरह किसी तनावपूर्ण परिस्थिति में कुछ लोग बहुत ही ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं तो कुछ लोग बहुत शांत रहते हैं और वहीं कुछ लोग एक संतुलित व्यवहार करते हैं। यह वाकई आश्चर्य की बात है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? इन सब सवालों का जवाब आयुर्वेद के पास है, आइये आयुर्वेद के अनुसार अपनी प्रकृति/मुख्य दोष समझें।

लगभग 93% लोग अपनी आयुर्वेदिक प्रकृति के बारे में नही जानते हैं ?

आपके प्रमुख दोष की कुछ खास विशेषताएं

वात् व्यक्तित्व	पित्त व्यक्तित्व	कफ व्यक्तित्व
ठंडे हाथ व नरम दिल	किसी भी विषय पर चर्चा करने की योग्यता	चित्ताकर्षक आंखे
बहुत सारी बातें करने के लिए हमेशा तत्पर	हमेशा सही समय पर भूख लगना	सहनशील और क्षमाशील
आंनदमयी कार्यशैली	जुनून व आवेशपूर्ण कार्यशैली	धीमी व विश्वसनीय कार्यशैली
रचनात्मक स्वभाव	समस्या सुलझाने में माहिर	सबसे अच्छे दोस्त
अदभुत व्यक्तित्व	प्रचण्ड व्यक्तित्व	प्यारा व्यक्तित्व

सम्बंधित भावनाएंः-

उत्साह, लचीलापन, रोमांटिक, नरम दिल, भय, तनाव, चिन्ता, अधीर	साहस, जुनून, चालाक, दृढ इच्छा शक्ति, क्रोध, ईर्ष्या, असहिष्णुता	प्रेम, धैर्य, क्षमा, सहनशीलता , विश्वास, लालच, लगाव, भावुक, आकर्षक, रोमांटिक
वात व्यक्तित्व **अदभुत व्यक्तित्व** **Vata's Are Amazing**	पित्त व्यक्तित्व **गरम मिज़ाज** **Pitta's Are Hot**	कफ व्यक्तित्व **प्यारा व्यक्तित्व** **Kapha's Are Loveable**

- वात, पित्त, और कफ के रहस्यों को समझकर अपने जीवन और संबंधों में तालमेल लाने के तरीके को जानिए !
- वभिन्न प्रकृति के बच्चों के पालन-पोषण की आयुर्वेदिक शैली जानिए !
- कार्यस्थल में स्वयं की कमजोरियां और शक्तियां पहचानिए !
- शारीरिक और भावनात्मक वार्तालाप शैली जानिए !
- भोजन, यात्रा और जीवन शैली के बारे में स्वयं की पसंद जानिए !
- घनिष्ठता बढाने के उपाय जानिए तथा और भी बहुत कुछ जानिए !

इन विशेषताओं को जानकर आप भी अपने मित्रों व प्रियजनों से ज्यादा बेहतर सम्बन्ध बना सकते हैं।

अपनी प्रकृति की पहचान करने के लिए सारणी में दी गई विशेषताओं को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

एकल दोषी व्यक्तित्व की विशेषताएंः-

प्रकार	वात	पित्त	कफ
शरीर सरंचना	पतला, सुन्दर, लम्बा या छोटा	मध्यम, संतुलित, हल्का	बड़ा, विस्तृत (लंबा-चौड़ा)
वजन	कम	हल्का	भारी
त्वचा	शुष्क, रुखी, ठंडी, सुस्त	मुलायम, तैलीय, उष्ण, गुलाबी	मोटी, नम, ठंडी, निस्तेज
बाल	गहरे, सूखे, घुंघराले	मुलायम, तैलीय, साफ व भूरे	घने, तैलीय, घुंघराले
दांत	फैले हुए बड़े और असमान	मध्यम,पीलापन लिए हुए	मजबूत, समान और सफेद
आंख	छोटी, सुस्त, शुष्क	तेज, चमकदार	बड़ी, घनी, बरौनी
अभिरुचि	परिवर्तनीय, कम	अच्छी, नियमित	धीरे - धीरे और स्थिर
भोजन	साधारण, कम, हल्का-फुल्का	नियमित भोजन	विलासी, वसायुक्त
प्यास	परिवर्तनीय	अधिक प्यास लगना	कम प्यास लगना
उत्सर्जन	शुष्क, ठंडा, कब्जयुक्त	नरम, तैलीय, ढीला	मोटा, भारी, मंद
पेशाब	बार-बार, किन्तु कम	पीला और काफी	अनियमित और औसत
पसीना	कम	अधिक और दुर्गन्धयुक्त	कम और भारी
नाड़ी	कमजोर, अनियमित,तेज	स्थिर, मजबूत	मन्द, सुचारू
संचार	परिवर्तनीय, कमजोर, सुस्त	अच्छा	हल्का
नींद	हलकी, कम, जल्दी टूट जाने वाली	अच्छी, ठीक - ठाक	गहरी और अधिक
आवाज	तेज, ऊँची और रुखी	धारदार, कंटीली, तेज	धीमी, समरस
काम	परिवर्तनशील,कल्पना से प्रेरित	कामुक, अतिरंजित	सुस्त परन्तु मजबूत
प्रतिरक्षण	परिवर्तनीय, कमजोर	मध्यम	उच्च
गतिविधी	व्यस्ततापूर्ण, परेशान, गतिशील	मध्यम, खास गंतव्य तक सीमित	कम और धीमी
सहनशील	कम	मध्यम	उत्कृष्ट
मनस	अस्थिर, जिज्ञासु	आक्रामक, चालाक	शान्त, धीमा
याददाश्त	लधु अवधि तक	तेज, अच्छी	दीर्घावधि तक
दिनचर्या	अरुचि	योजना बनाना पसंद है	अपने अनुकूल बना लेना
विश्वास	अनिश्चित, परिवर्तनीय	कट्टरवादी	स्थिर, समर्पित
अभिमत/ राय	परिवर्तनीय, बदलते रहना	जोरदार अभिव्यक्ति	धीरे - धीरे परिवर्तित होना
वित्तीय स्थिति	कमजोर,खर्च करने में जल्दबाजी	संतुलित,विलासितापूर्ण वस्तुएं खरीदना	धनी, मितव्यी
शौक	यात्रा, कला, दर्शन	खेलकूद, राजनीती, विलासी	सौम्य, आरामपरस्त
सृजनशीलता	मौलिक	तकनीकी, वैज्ञानिक सोच	उधमशीलता
संवेदनशीलता	शीत, हवा, शुष्कता	गर्मी, धुप, आग	ठंड, आद्रता, नमी
स्वभाव	घबराया हुआ,असुरक्षित,शर्मीला	निश्चित, लक्ष्य पर टिका हुआ, प्रेरित	परम्परावादी, लचीला
स्वपन	निरंतर, डरावने	आग के सीन वाले दृश्य, हिंसक, सजीव	रोमांटिक, शांतिपूर्ण
सबंधित भावनाएं	**उत्साह, लचीलापन, रोमांटिक**	**साहस,जनून,चालाक**	**प्रेम, धर्य, क्षमा, सहनशीलता**
विशेषता	**अदभुत व्यक्तित्व**	**गर्म मिजाज**	**प्यारा व्यक्तित्व**

द्विदोषी व्यक्तित्व की विशेषताएंः-

इनके शरीर में जन्म से किन्ही दो दोषों की प्रमुखता होती है।(वात्-पित्त), (वात्-कफ), (पित्त-कफ) इनमें दोनों दोषों की विशेषताएं पाई जाती है।

त्रिदोषी व्यक्तित्व की विशेषताएंः-

इनके शरीर में जन्म से सभी तीन दोष समान अवस्था में पाए जाते हैं। इनमें तीनों दोषों की विशेषताएं पाई जाती हैं।

बिमारियों का मूल कारण - दोषों का असंतुलन

मानव शरीर पांच तत्वों यानी आकाश, वायु, आग, पानी और मिट्टी से बना है। हमारे शरीर में इन तत्वों का एक निर्धारित अनुपात होता है। पांचो तत्वों का संतुलन हमारे स्वास्थ्य और आपस में अच्छे सम्बन्धों के लिए परम आवश्यक है। जब इन तत्वों का आपसी संतुलन थोडा सा भी बिगड़ जाता है यानीकि अपनी प्राकृतिक अवस्था से घट या बढ़ जाता है, तो इसे दोषों का असंतुलन कहते है। दोषों का यह असंतुलन ही हमारे शरीर में बिमारियों का मूल कारण है। यही नहीं, दोषों का यह असंतुलन ही हमारे आपसी सम्बन्धों और व्यक्तिगत जीवन पर भी बुरा असर डालता है। अत: हमारे शरीर में सभी बिमारीयों का मूल कारण पंच तत्वों (दोषों) का असंतुलन ही है।

इसलिए कहा जाता है कि स्वास्थ का मूल मंत्र - दोषों का संतुलन ही है ।
..... और हमारा सिस्टम आपके दोषों को सन्तुलित रखने में आपकी मदद करता है।

त्रिदोष संतुलन के उपाय

1. शोधन - इस प्रक्रिया में पंचकर्म (वमन, विरेचन, बस्ती, नस्य और रक्त मोक्षण) द्वारा वात, पित्त, कफ के असंतुलन से शरीर में उत्पन्न रोगों को शरीर से बाहर निकाला जाता है।

2. शमन - इस कर्म में उन औषधियों का उपयोग किया जाता है जो बढ़े हुए विकृत दोषों को संतुलित करती हैं।

वात क्योर चाय - विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई वात क्योर चाय वात शामक जड़ी बूटियों का उत्तम मिश्रण है जो 80 प्रकार के वात विकारों के शमन में लाभकारी है । चिंता, कब्ज, जोड़ों का दर्द, मन की बेचैनी, गठिया, सरवाईकल, लकवा, अधरंग, साईटिका, हड्डियों व मासपेशियों में अकड़न या जकड़न, यूरिक ऐसिड,आदि समस्त वात रोगों में वात चाय का सेवन बहुत लाभदायक है ।

सेवन विधि - आधा चम्मच (2.50 ग्राम) चाय को 100 मि. ली. पानी में उबालें अच्छी तरह छान कर सेवन करें।

पित्त क्योर चाय - विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई पित्त क्योर चाय पित्त शामक जड़ी बूटियों का उत्तम मिश्रण है जो 40 प्रकार के पित्त विकारों के शमन में लाभकारी है । चमड़ी रोग, सोराइसिस, कील-मुहांसे, संक्रमण(इन्फेक्शन), सिरदर्द, बुखार, गला पकना, सूजन, जलन, बालों का पकना व् झड़ना, गर्मी, गैस, दस्त, खट्टी डकार, एसिडिटी, जलन, पेशाब में जलन, तेजाब, लिवर रोग, जिगर व तिल्ली का बढ़ना, पीलिया, खून की कमी, हेपेटाइटिस, पाचन विकार, दृष्टि विकार, कैसा भी सिरदर्द, खून का गिरना, बवासीर, दुर्गन्ध युक्त पसीना, मुंह से दुर्गंध, चिड़चिड़ापन, कमजोरी, स्त्री व् पुरष, धातु रोग, अल्सर आदि समस्त पित्त रोगों में पित्त क्योर चाय का सेवन बहुत लाभदायक है ।

सेवन विधि - आधा चम्मच (2.50 ग्राम) चाय को 100 मि. ली. पानी में उबालें सेवन करें।

कफ क्योर चाय - विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई कफ क्योर चाय कफ शामक जड़ी बूटियों का उत्तम मिश्रण है जो 20 प्रकार के कफ विकारों के शमन में लाभकारी है । दमा, खांसी, जुकाम, पुराना नजला, बार-बार सर्दी लगना, छींके, एलर्जी, इपोसिनोफिलीया, टी.बी., सीने में दर्द, घबराहट ब्लॉकेज, मोटापा, हार्ट अटैक के लक्षण, कोलेस्ट्रोल, शारीरिक चैनलों में अवरोध (ब्लॉकेज), गांठ, रसौली, टोंसिल, ट्यूमर, मर्दाना कमजोरी, थायराइड आदि समस्त कफ रोगों में कफ क्योर चाय का सेवन बहुत लाभदायक है ।

सेवन विधि - आधा चम्मच (2.50 ग्राम) चाय को 100 मि. ली. पानी में अच्छी तरह कर सेवन करें।

आरोग्य चाय - विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई आरोग्य चाय त्रिदोष शामक जड़ी बूटियों का उत्तम मिश्रण है जो 120 प्रकार के समस्त त्रिदोष विकृत विकारों के शमन में बहुत लाभकारी है ।

सेवन विधि - आधा चम्मच (2.50 ग्राम) चाय को 100 मि. ली. पानी में उबालें आधा शेष रहने पर छान कर सेवन करें। देसी खांड व दूध मिला सकते है ।

दोषों के असंतुलन को पहचानिए!

वात् दोष के असंतुलन की पहचान

चिन्ता	कब्ज	जोडों का दर्द	अनिश्चित पाचन	मन की बेचैनी	स्नायु में कठोरता

उपरोक्त लक्षण वात असंतुलन के विकार हैं और 80 तरह की बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।

वात रोग

गैस, कब्ज, जोडों का दर्द, गठिया, सरवाईकल, लकवा, अधरंग, साईटिका, हड्डियों व मासपेशियों में अकड़न या जकड़न, यूरिक ऐसिड, अंगो का सुन्न होना, झटके लगना, सूजन-दर्द, थकान, कमजोरी, अंगों व नसों का टेढ़ापन, बुढ़ापा जल्दी आना, बोलने में कष्ट, चिंता, तनाव, मन में बेचैनी, दिमागी कमजोरी, याददाशत की कमी, वहम, डर, भ्रम, दौरे पड़ना, मिर्गी, धडकन कम या ज्यादा होना, बी.पी. कम या ज्यादा होना, मुँह सूखना, खुश्की, रुसी, त्वचा खुरदरी, त्वचा का फटना, हाथ पैर ठन्डे होना, पाचन में गड़बड़, पुरे शरीर में कही भी दर्द होना।

वात चाय

वात् असंतुलन होने पर विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई वात् चाय का सेवन करें, जो कि आपको 80 तरह के वात रोगों से बचा सकती है।

परहेज

कटु, तिक्त, कषाय रस वायु को बढाते हैं, इन रसों से युक्त पदार्थों का सेवन ना करें। ठण्डे पदार्थ, कच्चे पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक्स, आईसक्रीम, मटर, अरबी, गोभी, सूखे मेवे, राजमा, सेम, लाल मिर्च, शुष्क व वायु युक्त पदार्थ, टोस्क, बिस्कुट, ठण्डी काफी, सफेद ब्रैड, स्मोक फूड, बहुत ठण्डे भेजन, बासी भोजन, अधिक कार्य करना, अधिक देर तक जागना, अधिक यौन क्रिया करना, हवा युक्त, ठण्डा मौसम में रहना, ऊंची आवाज में बातें करना।

सेवन

मधुर, अमल, लवण रसयुक्त पदार्थों का सेवन करें, गर्म, भारी, पका हुआ भोजन, प्रतिदिन 6 से 7 गिलास पानी पीना चाहिए, दिनचर्या नियमित होनी चाहिए। उबली सब्जियां, गाजर, लहसुन, प्याज, पेठा, पालक, परवल, बैंगन, चुकन्दर व अन्य तेल, बादाम, काली मिर्च, मसाले युक्त चटनी, आचार, दालचीनी , सौंफ, सोंठ,जीरा, एलोवेरा का जूस, इन पदार्थों का सेवन करें।

अस्सी वात विकार

नखभेद (नखों का टूटना),विपादिका (हाथ-पैर फटना), पादशूल (पैरों में दर्द होना), पादभ्रंश (पैर लड़खड़ाना), पादशून्यता (पैरों में सूनापन), वातखुड्डता (छोटी सन्धियों का दर्द), गुल्फग्रह (टखनों में अकडन जकडन), पिण्डिकोद्वेष्टन (पिंडलियों में ऐंठन), गृधसी (कूल्हों से शुरू होकर पैरों की उंगलियों तक जाने वाला दर्द,रोग विशेष), जानुभेद(जानुसन्धि में टूटन), जानुविशलेष (जानुसन्धि शैथिल्य), ऊरूस्तम्भ (जांघों में भारीपन रोग विशेष), ऊरूसाद (जांघों में थकावट),पाड्.गुल्य (पडगु होना), गुदभ्रंश (कांच निकलना), गुरदार्ति (गुदा में वेदना), वृषणोत्क्षेप (अंडकोष का ऊपर चढना), शेफःस्तम्भ (लिंग की स्तब्धता),वंक्षणानाह (पट्टे में तनाव), श्रोणिभेद (कमर में दर्द), विड्भेद (पतला विरेचन), उदावर्त (पेट फूलना), खजता (लंगड़ाना), कुब्जता (कुबड़ झुककर चलना), वामनत्व (बौना होना), त्रिकग्रह (कमर में जकडाहट), पाश्र्वावमर्द (पाश्र्वपीड़ा), उदरावेष्ट (उदर में तनाव), ह्न्मोह (घबराहट), ह्द्र्व (ह्दय की तीव्र गति), वक्षोद्धर्ष (छाती में दर्द), वक्षोपरोध (ह्दय तथा फेफड़े की गतियों में रूकावट की प्रतीति), वक्षस्तोद (छाती में चुभन), बाहुशोष (बांह का सूखना), ग्रीवास्तम्भ (गरदन में जकड़न),मन्यास्तम्भ (ग्रीवा की नाडी की जकडन), कण्ठोद्ध्वंस (कण्ठ कष्ट होना), हनुभेद (थुठ्डी में दर्द), ओष्ठभेद (ओष्ठ में दर्द), अक्षिभेद (आँखों में दर्द), दन्तभेद (दांतों में दर्द), दन्तशैथिल्य (दान्तों में शुन्नता), मूकत्व (गुंगापन - बोलने में कठिनाई), वाक्संग (शब्दों का अस्पष्ट उच्चारण करना), कशायास्यता (मुह में कडवा स्वाद आना), मुखशोष (मुख सूखना), अरसज्ञता (स्वाद न लगना), घ्राणनाश (संूघने की शक्ति का नाश), कर्णशूल (कान दर्द), अशब्दश्रवण (कान बजना) उच्चैः श्रुति (ऊँचा सुनना), बाधिर्य (बहरापन), वत्र्मस्तम्भ (पलकों का भारी होना), वत्र्मसंकोच (पलकों का सिकुड़ना), तिमिर (मोतियाबिंद),नेत्रशूल (आंखो में दर्द), अक्षिण्युदास (नेत्र का टेढापन), भ्रुण्युदास (भौओं का टेढापन), शंखभेद (सिर के बीच में तेज दर्द), ललाट भेद (ललाट में दर्द), शिरशूल (सिरदर्द), केशभूति स्फुटन (रूसी -सिकरी) वेपयु (कम्पन), अर्दित (चेहरे का लकवा), एकांगरोग (किसी एक अंग में लकवा), सर्वांडग्रोग (सारे शरीर में लकवा), आक्षेपक (अंगों में ऐंठन), दण्डक (एंठन-अकडना), तम (बेहोश होना), भ्रम (चक्कर आना), जृम्भा (जम्भाई) , हिक्का (हिचकी) ,विषाद (बेचैनी या मन न लगना), अतिप्रलाप (अति चिंता कर बोलते / रोते रहना), रौक्ष्य (रूखापन), पारूस्य (कठोरता), श्यावावभासता (लाली), अरूणावभासता (पीलापन), अस्वप्न (अनिद्रा,नींद न आना), अनवस्थितचित्रत्त्व (मन में अस्थिरता) .

पित् दोष के असंतुलन की पहचान

त्वचा समस्याएँ	अति अम्लता	बाल पकना या झड़ना	सुजन या जलन	संक्रमण	दृष्टि विकार

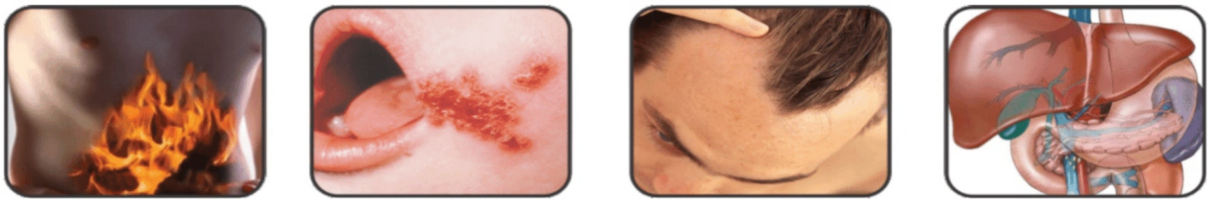

उपरोक्त लक्षण पित् असंतुलन के विकार हैं और 40 तरह की बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।

पित्त रोग

चमड़ी रोग, सोराइसिस, कील-मुहांसे, संक्रमण(इन्फेक्शन), सिरदर्द, बुखार, गला पकना, सूजन, जलन, बालों का पकना व् झड़ना, गर्मी, गैस, दस्त,खट्टी डकार, एसिडिटी, जलन, पेशाब में जलन, तेजाब, अल्सर, लिवर रोग, जिगर व तिल्ली का बढ़ना, पीलिया, खून की कमी, हेपेटाइटिस, पाचन विकार, दृष्टि विकार, कैसा भी सिरदर्द, खून का गिरना, बवासीर, दुर्गन्ध युक्त पसीना, मुंह से दुर्गंध, चिड़चिड़ापन, धातु रोग, लिकोरिया, कमजोरी, स्त्री व् पुरुष रोग ।

पित्त चाय

पित् असंतुलन होने पर विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई पित्त चाय का सेवन करें, जो कि आपको 40 तरह के पित्त रोगों से बचा सकती है।

परहेज

अम्ल, कटु, लवण, रस युक्त पदार्थ, जलन उत्पन्न करने वाले मसालेदार वस्तु, लाल मिर्च, काली मिर्च, लोंग, जीरा, नमक, गर्म मसाले, खट्टे फल, खट्टी दही, सिरका, लहसुन, मेथी, आचार, चाय, काफी, गर्म पदार्थ, साईट्रिक फल, अत्याधिक बादाम,सरसों, अल्कोहल, सिगरेट, क्रोध में भोजन, वाष्प स्नान, ज्यादा खेल कूद, वाद-विवाद, ज्यादा धूप मे रहना।

सेवन

मधुर, विक्त, कसाय, रस युक्त पदार्थ, ठण्डे व भारी पदार्थ, हरी सब्जियां, खीरा, घीया, आलू, हरा धनिया, अंकुरित अनाज, शकरगन्दी, मीठे फल, गेंहूं, जौं, चावल, दूध, लस्सी, घी, पनीर, मक्खन, फलों का जूस, चीनी, मीठी चटनी, धनिये के पत्ते, सूखा धनिया, एलोवेरा का जूस, हर घण्टे में पानी पिएं।

चालीस पित्त विकार

ओष (सम्पूर्ण शरीर में तीव्रदाह और बेचैनी), प्लोष (आग से झूलसने जैसा दाह और पीड़ा), दाह (देह में जलन), दवथु (इन्द्रियों में जलन), धमूक (मुख से धुँआ निकलने जैसा अनुभव होना), अम्लक (खट्टी डकार आना), विदाह (अंगो में जलन होना), अन्तर्दाह (भीतरी अंगो में जलन), अंसदाह (कन्धे में जलन), ऊष्माधिक्य (ताप का बढ़ना), अतिस्वेद (अधिक पसीना आना), अंगगन्ध (शरीर से दुर्गन्ध आना), अंगावद्रण (तवचा का फटना), शोणितक्लेद (रक्त पतला होना), मांसक्लेद (मांस का सड़ना), त्वग्दाह (त्वचा में जलन), त्वगवदरण (त्वचा का फटना), चर्मावरदण (त्वचा/चमड़ी का फटना), रक्तकोठ (लाल चकते निकलना), रक्त विस्फोट (लाल फफोले पड़ जाना), रक्तपित्त (किसी अंग से अकारण रक्त निकलना और तेज खुजली होना), रक्तमण्डल (लाल चकते पड़ना) दाद , हरितत्व (नेत्र-नख-मूत्र आदि में हरा रंग होना), नीलिका (नेत्र आदि एवं त्वचा में नीलापन), कक्षा (कौख में व्रण निकलना), हारिद्रत्व (नेत्र-नख-मूत्र आदि में हल्दी जैसा रंग होना), कामला (पीलिया रोग) तिक्तास्यता (मुख का तीता होना), लोहितगन्धास्यता (मुख से रक्त का गन्ध निकलना), पूतिमुखता (मुख से दुर्गन्ध निकलना), तुष्णाधिक्य (अधिक प्यास लगना),अतृप्ति (भोजन से तृप्ति न होना), आस्यविपाक (पेट में जलन , पकना), गलपाक (गले का पकना, जलना), अक्षिपाक (आंख पकना), गुदपाक (गुदा का पकना)मेढपाक (शिशन में सूजन/पकना), जीवादान (मुख से शुद्ध रक्त का निकलना), तमः प्रवेश (आंखों के सामने अंधेरा छा जाना), हरितहारिद्रनेत्रमूत्रवर्चस्त्व। (नेत्र-मूत्र एंव मल का हरा या हल्दी के रंग का हो जाना)

कफ दोष के असंतुलन की पहचान

दमा, श्वास रोग	खांसी, जुकाम	नजला	अपच	प्रतिरक्षा प्रणाली की कमज़ोरी	शारीरिक चैनलों में ब्लॉकेज

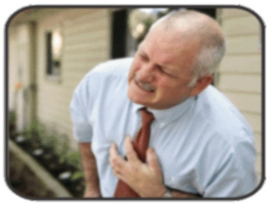

उपरोक्त लक्षण कफ असंतुलन के विकार हैं और 20 तरह की बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।

कफ रोग

श्वास, दमा, खांसी, पुराना नजला, जुकाम, बार-बार सर्दी लगना, छींके, एलर्जी, इपोसिनोफिलीया, टी.बी., सीने में दर्द, घबराहट, ब्लॉकेज, मोटापा, हार्ट अटैक के लक्षण, कोलेस्ट्रोल, शारीरिक चैनलों में अवरोध (ब्लॉकेज), गांठ, रसौली, टॉन्सिल, ट्यूमर, थायराइड, बिस्तर पर पेशाब करना, शरीर व मुह में बदबू, लिवर व किडनी में दर्द व सूजन, शरीर में विषैले तत्वों का इक्कठा होना, किडनी रोग, शरीर फूल जाना, घाव, सुजाक, मर्दाना कमजोरी, आलस्य, अतिनिंद्रा, तृप्ति(मन भरा-भरा रहना),मंद अग्नि (मेटाबोलिज्म की कमी) ।

कफ चाय

कफ असंतुलन होने पर विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई कफ चाय का सेवन करें। जो कि आपको 20 तरह के कफ रोगों से बचा सकती है।

परहेज

मधुर, अमल, लवण, रस युक्त पदार्थ का सेवन कम करें। चीनी युक्त, वसा युक्त पदार्थ, दुग्ध उत्पाद मक्खन, घी, दही,पनीर, आईसक्रीम, चॉकलेट, बादाम, केले, आम, खरबूजा, पपीता, चावल, डबलरोटी, केक, पूरियां, भारी भोजन, तला हुआ भेजन, ज्यादा तरल पदार्थ, ठण्डे शरबत, मिठाईयां, खीरा, आलू, पेठा, शकरकन्दी, खजूर, मीठे फल, मैदा व मैदे से बने पदार्थ, मांह की दाल, राजमा, लोबिया आदि पदार्था का सेवन न करें।

सेवन

कटु, तिक्त, कषाय युक्त पदार्था का सेवन करें, शुष्क, गर्म, हल्का भेजन, करेला, गाजर, सेम फली, शलगम, हरी सब्जियां, धनिया, लहसुन, नींबू, चैरी, बाजरा, जौं, गेंहूं, मूंग, चना, मसूर, बकरी का दूध, गाय का दूध, काली मिर्च, हरी मिर्च, मसालेदार चटनी, धनिया, लहसुन, अदरक, सोंठ, हींग, लौंग, इलायची, काली चाय, काफी, हरबल चाय, एलोवेरा का जूस, कम व हल्का भेजन करें। शहद्रअदरक में अग्नि की बहुलता होती है इसके सेवन से जल और पृथ्वी (कफ) की अधिकता से छुटकारा मिल जाता है। हमेशा चुस्त रहें।

बीस कफ विकार

तृप्ति (बिना खाये ही पेट भरा मालूम होना), तन्द्रा (जम्हाईट आना), निद्राधिक्य (अधिक नींद आना), स्तैमित्य (सिमटना), गुरूगात्रता (शरीर के अवयवों में भारीपन), आलस्य (मानसिक और शारीरिक), मुख माधुर्य (मुह में मीठा लगना), मुखस्त्राव (मुख में पानी आना), श्लेश्मोद्गिर्ण (कफ निकलना), मलाधिक्य (अधिक मल), बलासक (मंद ज्वर,बल क्षय और कमजोरी), अपत्ति (अपच), ह्दयोपलेप (ह्दय में जकड़न), कण्ठोपलेप (कण्ठ में बलगम), धमनीप्रतिचय (धमनियों की कफ-पूर्णता और भारीपन), गलगण्ड (घेंघा), अतिस्थूलता (मोटापा), मन्दाग्नि (मन्द पाचन),उदर्द (शरीर में चकत्ते होना) श्वेतावभासता(त्वचा में सफेदी दीखना)

DOSHA®

MIRACLE

Balance Tridosha

प्राचीन काल में हमारे ऋषि–मुनिमुनियों द्वारा शरीर में विद्यमान वात–पित्त–कफ की नाड़ी परीक्षण के द्वारा चिकित्सा की जाती थी । नाड़ी परीक्षण से ही पता लग जाता था कि रोगी को कौन सा रोग है और इसका क्या समाधान है। आयुर्वेयुदिर्वेदिक जड़ी बूटिबूटियों द्वारा वात पित्त और कफ को **Balance** करके रोगी को बिल्कुल स्वस्थ किया जा सकता है।

मिरेकल पाउडर प्राचीन आयुर्वेद की बहुमूल्य जड़ी बूटियों द्वारा तैयार किया गया ऐसा प्रोडक्ट है जो हमारे शरीर में वात पित्त और कफ को बैलेंस करता है, जिस कारण शरीर का ब्लड शुगर लेवल हमेशा सामान्य रखने के साथ–साथ और सभी 140 बीमारियों को भी दूर करने में मदद करता है।

M.R.P.
₹ 2250/-
0.50 PV

- DIABETES
- MIGRAINE
- LEUKORIYA
- JOINT PAIN
- SKIN
- LIVER
- STOMACH
- BLOCKAGE

INGREDIENTS 1gm Contains:

Terminalia arjuna	25 gm	Emblica Officinalis	4 gm
Glycyrrhiza glabra	10 gm	Ocumum Sanctum	3 gm
Foeniculam Vulgare	7 gm	Piper Nigrum	3 gm
Zingiber Officinale	6 gm	Rosa Centifolia	2 gm
Curcuma Longa	5 gm	Piper Longum	2 gm
Cinnamomum tamala	5 gm	Alpina Galanga	2 gm
Sida Cordifolia	5 gm	Elettaria Cardamomum	2 gm
Bacopa Monnieri	5 gm	Piper Cubeba	1 gm
Cinnamomum Zeylanicum	4 gm	Syzygium Aromaticum	1 gm
Hemidesmus Indicus	4 gm	Crocus Sativus	1 gm
		Santalum Album	3 gm

Suggested Use :-
1gm Powder Is To Be Soaked Overnight And Drink Empty Stomach In The Morning And Soak 1gm Powder In The Morning And Drink After Dinner While Sleep At Night Or Directed As Dietician.

DOSHA®

M.R.P.
₹ 3500/-
0.50 PV

WELL LIFE

DE-ADDICTION

For Addiction Free **Men & Women**

- यह शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है।
- यह लत से छुटकारा पाने में मदद करता है।
- यह नशे के बुरे प्रभाव के खिलाफ लड़ता है।
- यह शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक करने में मदद करता है।
- यह शरीर को आवश्यक तत्व प्रदान करता है।
- यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, और दिमाग को स्थिर रखता है.

INGREDIENTS
100gm Contains:

Ashwgandha	Withania Somnifra	200mg
Shatavari	Asparagus Racemosus	150mg
Konch Beej	Mucuna Prurita Hook	200mg
Giloy	Tinosporacordifolia	50mg
Safed Musli	Aspragus Adscendens	125mg
Kaali Musli	Curculigo Orchioides	200mg
Salampanja	Orchis Latifolia Linn	26mg
Shilajeet	Asphaltum Punjabianum	26mg
Makar Dhawaj	Khaniz	0.2mg
Kesar	Crocus Sativus	2.6mg
Swaran Bhasam	Gold Bhasam	0.02mg
Swaran Masik	Gold Masik	10mg
Trivang Bhasam	Trivang Bhasam	10mg

Suggested Use :-
2gm Powder Twice A Day 30 Min Before Meal Woith Lukewarm Water Or Directed By Healthcare Professional

DOSHA®

M.R.P.
₹ 2250/-
0.50 PV

HEALTH MAGIC

IMMUNITY BOOSTER

SAY NO TO ALCOHOL.....!

जब किसी को शराब की लत लगती है तो नशा करने के लिए दिमाग में एंडोर्फिन नाम का रसायन सक्रिय होता है, इसके कारण ही व्यक्ति में नशे के प्रति उत्साह जागता है. लेकिन, HEALTH MAGIC CAPSULE ने एंडोर्फिन के असर को रोक दिया गया, जिससे व्यक्ति में शराब पीने का उत्साह खत्म हो जाता है।

- शरीर से टोक्सिन को निकालता है
- अपने शरीर की शराब की लालसा को कम करता है
- यह प्रभावी रूप से शरीर को अंदरूनी रूप से साफ करता है।
- व्यक्ति की शराब पीने की इच्छा को कम करता है।

(Each 500mg Capsule Contains)

Pyrus malus	20 mg.
Aloe barbadensis	20 mg.
Emblica officinalis	15 mg.
Withania Somnifera	10 mg.
Rubus ellipiticus	15 mg.
Beta vulgaris	10 mg.
Cinnamomum zeylanicum	10 mg.
Vitis vinifera	20 mg.
Cofea arabica	10 mg.
Ganoderma lingzhi	10 mg.
Nigella sativa	10 mg.
Marus indica	20 mg.
Garcinia mangostana	15 mg.
Hippophae rhamnoides	15 mg.
Curcuma longa	10 mg.
Terminalia bellirica	1.5 mg.
Phyllanthus emblica	1.5 mg.
Zingiber officinale	1.5 mg.
Piper nigrum	1.5 mg.
Piper Longum	1.5 mg.
Hedychium spicatum	1.5 mg.
Acorus calamus	1.5 mg.
Cypenus scariosus	1.5 mg.
Tinospora cordifolia	1.5 mg.
Swertia	1.5 mg.
Cedrus deodara	1.5 mg.
Curcuma longa	1.5 mg.
Aconitum Hete	1.5 mg.
rophyllum	1.5 mg.
Berberis aristata	1.5 mg.
Piper retrofractum	1.5 mg.
Plumaogo Zeylani-cum	1.5 mg.

Long Pepper Root	15 mg.
Scindapsus officinalis	15 mg.
coriandrum sativum	1.5 mg.
Embelia ribes	1.5 mg.
Rock Salt	1.5 mg.
Black Salt	1.5 mg.
Sambhar Salt	1.5 mg.
Sajikhar	1.5 mg.
Potash Yavakshar	1.5 mg.
Elettaria cardamomum	1.5 mg.
Piper cubeba	1.5 mg.
Tribulus terrestris	1.5 mg.
Santalum album	1.5 mg.
Swarnmakshik Bhasma	1.5 mg.
Danti Mool	7 mg.
Lpomoea turpethum	7 mg.
Cinnamomum tamala	7 mg.
Cinnamornum verum	7 mg.
Amomum subulatum	7 mg.
Loha Bhasma	14 mg.
Shuddh Shilajeet	56 mg.
Rock candy	28 mg.
Shuddha Guggulu	56 mg.
Bhawna Daraya :-	
Triphala, Giloye	
Acaiberry extract	15 mg.
Blackberry extract	15 mg.
Kiwi extract	15 mg.
Lingonberry	15 mg.
Noni extract	20 mg.
Strawberry extract	15 mg.

Suggested Use :-
1gm Powder Is To Be Soaked Overnight And Drink Empty Stomach In The Morning And Soak 1gm Powder In The Morning And Drink After Dinner While Sleep At Night Or Directed As Dietician.

DOSHA®

ORISON GOLD
Capsule

Immunity Booster | Stamina | Vigor

M.R.P.
₹ 2250/-
0.50 PV

- लम्बे समय तक इसका इफेक्ट स्थाई रहता है
- पूरी तरह से आयुर्वेदिक जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं
- ORISON GOLD CAPSULE मर्दाना शक्ति नेचुरल तरह से बढाता है
- स्वपनदोस, टाइमिंग, धातु रोग वीर्य में शक्राणु बढ़ाने, स्टैमिना आदि में बहुत लाभकारी है
- इसका प्रभाव स्थाई होता है स्टैमिना को बढ़ाता है ।
- इस का प्रभाव आपको कुछ ही दिनों में देखने को मिलता है

INGREDIENTS

Makar Dhawaj	Khaniz	5mg
Kesar	Crocus Sativus	5mg
Shilajit	Shilajeet	40 mg
Ashawagandha	Withania Somnifra	40 mg
Kuchla	Strychnos Nuxvomica	30 mg
Akarkara	Anacylus pyrethrum	10 mg
Abrak Bhasam	Khaniz	15 mg
Bala	Sida Cordifolia	40 mg
Aguru	Aquilaria Agallocha	40 mg
Safed Musli	Asparagus Adseendus	25 mg
Dhatura Bij	Datura Metel	20 mg
Salam Mishri	Orchis Latifolia	15 mg
Mulathi	Glycyrrhiza Glabra	25 mg
Laung	Syzygium Aromaticum	20 mg
Satavari	Asparagus Racemosus	40 mh
Kaunch Bij	Mucuna Prurita	50 mg
Loh Bhasam	Khaniz	20 mg
Javitri	Mace	10 mg
Guduchi	Tinospora Cordifolia	20 mg
Khurasani	Hyoscyamus	10 mg
Ajvayan		

Dosage : 1 Capsule Daily With Milk or As Directed By The Physician

DOSHA®

ARTHKIL
Powder

For Joint Pain

SAY NO TO PAIN.....!

M.R.P.
₹ 1199/-
0.25 PV

- घुटनो और जोड़ों के दर्द से हमेशा के लिए छुटकारा पाएं।
- जोड़ों की किसी भी तरह की पुरानी से पुरानी समस्या को दूर करने में मदद करता है।
- जोड़ों में सूजन को कम करने में मदद करता है।
- घुटनो और जोड़ों की ग्रीस (कार्टिलेज) को दुबारा बनाने का काम करता है।
- यह जोड़ों के पुराने दर्द से छुटकारा पाने में मदद करता है।
- ARTHKIL POWDER से बिना किसी ऑपरेशन दर्द से छुटकारा पा सकते है।

INGREDIENTS
100gm Contains:

Saunth	Gingiber Officinale	300 mg
Surjan	Colchicum Luteum Baker	300mg
Ashwagandha	Withania Somnifra	300mg
Rasna Patar	Pluchea Lanceolata C.B. Clarke	25mg
Satavari	Asparagus Racemosus Willd	25mg
Geloye Satve	Tinospora Cordifolia	25mg
Safed Musli	Asparagus Adscendens Roxb	25mg

Suggested Use :-
2gm Powder Twice A Day 30 Min Before Meal With Lukewarm Water Or Directed By Healthcare Professional

100% AYURVEDIC
NO SIDE EFFECTS

Store in cool and dry place away from direct sunlight.
Keep out of reach of children.

BUSINESS PLAN

FREE
REGISTER
NOW

Joining Package
Rs. 1500/-
0.5 PV

Joining Package
Rs. 3000/-
1 PV

TYPES OF INCOME

- **Retail Profit**
- **Matching Income**
- **Direct Sponsor income**
- **Repurchase Income**
- **Reward**

1 RETAIL PROFIT UPTO 40%

EXAMPLE

MRP : Rs. 2250/- (0.5 PV)
DP : Rs. 1500/-
RETAIL PROFIT : Rs. 750/-

2 MATCHING INCOME

MATCHING INCOME
Rs. 1000/-

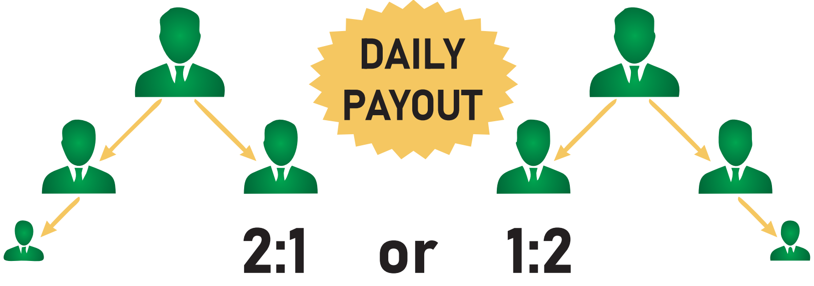

1ST PAIR 2:1 OR 1:2 OTHER ANY PAIR 1:1
(EVERY THIRD PAIR CUT OFF)

DAILY 2 CLOSING 12 A.M. & 12 P.M. CAPPING 7 PAIR PER CLOSING

3 DIRECT SPONSOR INCOME 5%

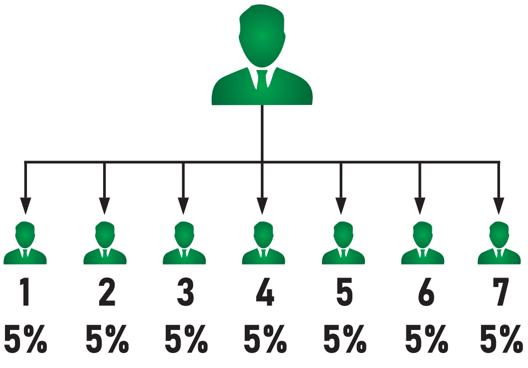

YOU WILL GET 5% OF MATCHING INCOME
FROM ALL YOUR DIRECT SPONSORS

4 RE-PURCHAGE INCOME

RE-PURCHAGE MATCHING INCOME 15%

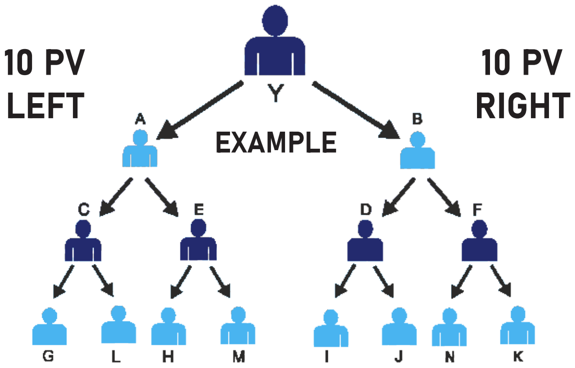

RE-PURCHAGE (1 PV)
Rs. 3000/-

MATCHING INCOME 15%
POWER LEG CARRY FORWARD | WEEKLY CLOSING ON WEDNESDAY
WEEKLY CAPPING Rs. 2,50,000 LAKH

RE-PURCHAGE 2ND INCOME

MATCHING SPONSOR INCOME

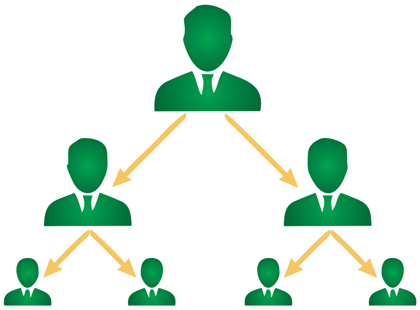

LEVEL	PERCENTAGE
1	5%
2	3%
3	2%
4	1%

5 REWARDS

Sr. No.	Business		Rewards	Picture
	Left	Right		
1	10	10	Laptop Bag	
2	25	25	Ultra Smart Watch	
3	75	75	Home Theatre	
4	150	150	LED 32"	

Sr. No.	Business		Rewards	Picture
	Left	Right		
5	250	250	Smartphone	
6	500	500	Laptop or 25000/-	
7	1000	1000	Bullet Bike Down Payment 50,000/-	
8	2500	2500	20gm Gold	
9	5000	5000	2 Lakh Swift Car Down Payment + International Tour	
10	10000	10000	Creta Car Down Payment 5 Lakh	
11	25000	25000	Fortuner Car Down Payment 12.5 Lakh	
12	50000	50000	Mercedes Car Down Payment 25 Lakh	
13	1 Lakh	1 Lakh	Flat 50 Lakh	
14	2.5 Lakh	2.5 Lakh	Villa 1.25 Crore	
15	5 Lakh	5 Lakh	2.5 Crore + Canada Tour	

TERMS & CONDITIONS

Joining Plan

1. Minimum withdrawal Rs. 1000/-
2. Package Rs. 1500/- (0.5 PV) Capping 4 Pair 1 Closing
3. Package Rs. 3000/- (1 PV) Capping 7 Pair 1 Closing
4. Admin Charges 5%
5. Daily Closing 12 a.m. & 12 p.m. (Joining Plan)
6. Daily Payout
7. Every 3rd Pair Cut off (Joining Plan)

Re-Purchage Plan

1. Re-purchage PV count in rewards
2. Re-purchage Income Payout Capping weekly 2.5 Lakh.
3. Re-Purchage closing weekly on Wednesday.
4. Re-Purchage PV calculated on Price excluding GST.

Company have all the rights to change business plan.
All disputes are subject to Company's final decision

YouTube Ayush Universal

Ayush Universal Pvt. Ltd.

3DOSHA®

For any Payment

Ayush Universal Pvt. Ltd.

A/c No. 36688797630

Branch Code : 11847

IFSC Code : SBIN0011847

City : Cheeka (Kaithal) Haryana

Ayush Universal Private Limited

Devki Pharmacy, Kangthai Kakheri Road (Kakheri) - 136033

www.ayushuniversal.com

info@ayushuniversal.com

M.R.P. ₹ 70/-